मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 250, मुंबई, शुक्रवार, 18 नवंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
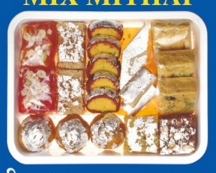
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

सऊदी अरब जाने वाले भारतीयों को बड़ी राहत

अब नहीं देना होगा POLICE CLEARANCE CERTIFICATE

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। सऊदी अरब जाने की चाह रखने वाले भारतीयों के लिए यह एक राहत देने वाली खबर है। सऊदी एडमिनिस्ट्रेशन ने हाल ही में भारतीयों के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब सऊदी जाने के लिए किसी भी भारतीय को पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होगी। बिना पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट के भारतीय सऊदी अरब का वीजा अप्लाई कर सकते हैं। सऊदी एंबेसी ने ऐलान किया कि यह भारत और सऊदी अरब के बीच एक 'मजबूत संबंध' का नतीजा है कि भारतीय के लिए इस सुविधा का ऐलान किया गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

फिर दागदार हुई वर्दी

कल्याण में 4 लाख रुपये के ड्रग्स के साथ 2 पुलिसकर्मी गिरफ्तार

संवाददाता / ठाणे। ठाणे पुलिस के एंटी नारकोटिक्स सेल ने चार लाख रुपये मूल्य की 921 ग्राम चरस के साथ रेलवे के दो पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए जीआरपी कर्मियों की पहचान महेश वाशेकर (52) और रवि विशे (32) के रूप में हुई है। कल्याण में वाशेकर सहायक निरीक्षक के रूप में तैनात हैं जबकि विशे राजकीय रेलवे पुलिस में कांस्टेबल के पद पर हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.

धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं
9820961360

महाराष्ट्रः रेप के बाद प्रेमिका ने की आत्महत्या

इंसाफ के लिए प्रेमी मंत्रालय पहुंचा और छठवीं मंजिल से कूद गया

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मंत्रालय (सचिवालय) की बिल्डिंग की छठवीं मंजिल से कूद कर एक युवक ने गुरुवार को आत्महत्या की कोशिश की। तीन साल से वह अपनी प्रेमिका को इंसाफ दिलाने की कोशिश कर रहा था। उसकी प्रेमिका का रेप हुआ था। इसके बाद प्रेमिका ने आत्महत्या कर ली थी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

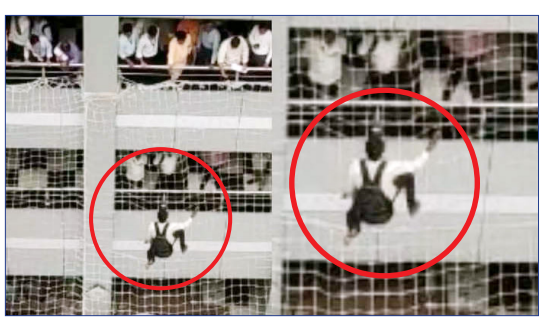

पत्र लिख-लिख कर हुआ परेशान, प्रशासन ने नहीं दिया ध्यान

मुंबई में अब चेचक का तांडव?

स्मॉलपॉक्स से 7 संदिग्धों की मौत, कई बीमार

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में खसरा के बाद अब चेचक का तांडव जारी हैं। शहर में सितंबर में चेचक फैलने के बाद से इस बीमारी से 7 संदिग्ध मौतें हो चुकी हैं। इसको लेकर बुधवार को बीएमसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि नए 184 मामलों में बुखार और शरीर पर दाने हैं। उसने कहा कि इसके साथ ही मुंबई में संदिग्ध चेचक के मामले बढ़कर करीब 1,263 हो गए हैं। इन मामलों में 1 से 4 साल तक के आयु वर्ग के 647 बच्चे शामिल हैं। विज्ञप्ति में ये भी कहा गया है कि 12 नए मरीजों को भर्ती करने के बाद हॉस्पिटल में चेचक के मरीजों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

बढ़ती जनसंख्याः क्या-क्या करें

संयुक्तराष्ट्र संघ की ताजा रपट के मुताबिक दुनिया की आबादी 8 अरब से भी ज्यादा हो गई है। पिछले 50 साल में दुनिया की जनसंख्या जितनी तेजी से बढ़ी है, पहले कभी नहीं बढ़ी। अभी तक यही समझा जा रहा था कि चीन दुनिया का सबसे बड़ी आबादी वाला देश है लेकिन भारत उसको भी मात करने वाला है। भारत में इधर बढ़े 17 करोड़ लोग उसे दुनिया का सबसे बड़ा देश बना देंगे। ऐसा नहीं है कि भारत जनसंख्या के हिसाब से ही बहुत आगे बढ़ गया है। इस देश ने कई मामलों में सारी दुनिया से बेहतर उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इस समय डिजिटल व्यवहार में वह दुनिया में सबसे आगे हैं। जहां तक प्रवासी भारतीयों का सवाल है, दुनिया के जितने अन्य देशों में भारतीय मूल के लोग शीर्ष स्थानों पर पहुंचे हैं, दुनिया के किसी मुल्क के लोग नहीं पहुंच सके हैं। भारतीय मूल के लोग जिस देश में भी जाकर बसते हैं, वे हर क्षेत्र में आगे निकल जाते हैं। वे अपने सभ्य और सुसंस्कृत आचरण के लिए सारे विश्व में जाने जाते हैं लेकिन दुनिया की बढ़ती हुई आबादी कई देशों के लिए तो खतरनाक सिद्ध हो ही रही है, वह भारत के लिए भी चिंता का विषय है। यदि आपके देश की या परिवार की आबादी बढ़ती चली जाए और उसकी जरूरतों की पूर्ति भी होती चली जाए तो कोई बात नहीं है लेकिन आबादी के साथ-साथ गरीबी और असमानता भी बढ़ती चली जाए तो वह समाज के लिए बोझ बन जाती है। यों तो भारत में जनसंख्या की रफ्तार पिछले दशकों के मुकाबले थोड़ी कम हुई है लेकिन हमारे देश में अभी भी लगभग 100 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनके लिए हम पर्याप्त भोजन, निवास, वस्त्र, शिक्षा, चिकित्सा और मनोरंजन की व्यवस्था नहीं कर पाए हैं। हमारी जनसंख्या-बढ़ोतरी का यह अच्छा पहलू है कि भारत में युवा लोगों का अनुपात वृद्धों के मुकाबले बेहतर है। दुनिया के मालदार देशों में दीघार्यु की सुविधाओं के कारण वृद्धों की संख्या कहीं ज्यादा है। जनसंख्या के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार को दो बच्चोंवाले प्रतिबंध पर भी तुरंत विचार करना होगा। जनसंख्या की दृष्टि से भारत का फायदा उसके इस तेवर में भी है कि भारत से पढ़े-लिखे युवक बढ़िया आमदनी की तलाश में विदेशों में जाकर अपना ठिकाना बना लेते हैं। लेकिन भारत चाहे तो अपने दक्षिण और मध्य एशिया के देशों में विकास का इतना बड़ा अभियान चला सकता है कि देश के कई करोड़ लोगों को वहां रोजगार मिल सकता है और वे वहां बस भी सकते हैं। मध्य एशिया के पांचों देशों का क्षेत्रफल भारत से डेढ़ गुना है और उनकी आबादी मुश्किल से साढ़े सात करोड़ है। भारतीय लोगों को अगर उचित मार्गदर्शन और सुविधा मिले तो वे न केवल भारत की बढ़ती आबादी की समस्या हल कर सकते हैं बल्कि प्राचीन आर्यावर्त्त की अकूत संपदा का दोहन करके एशिया को यूरोप से भी आगे ले जा सकते हैं।

ओवैसी मुसलमानों के सबसे बड़े दुश्मन!

समझना जनता को होगा। नहीं समझेगी भुगतेगी। हम जैसे लोग बोलेंगे। गालियां खाएंगे। और अब एक नई विधा आ गई है। प्रधानमंत्री जी ने बताई है कि गालियां खाकर उन्हें न्यूट्रिशन में कैसे बदलना है। तो उसीके मुताबिक गालियां खाने की ताकत बढ़ाई जाएगी। ओवेसी के भक्त चाहें तो चीजों को समझकर अपने नेता पर दबाव बना सकते हैं कि वे भाजपा की मदद करना बंद करें। और नहीं समझना चाहें तो मोदी जी के फार्मूले के मुताबिक हम लोगों को भी गालियों में से पोषक तत्व ढुंढना शुरू करना पड़ेगा।

ट्रोल कौन से भयानक होते हैं? ब्राह्मणों के लिए ब्राह्मण, दलितों के लिए दलित और मुसलमानों के लिए मुसलमान! असदुद्दीन ओवैसी पर जब भी लिखते हैं तो उनके भक्त टूट कर आ पड़ते हैं। वे नौजवान और जज्बाती मुसलमानों के नए आइकान हैं। मुसलमानों का वे कितना नुकसान कर रहे हैं, यह भावुक लोगों को कभी समझ में नहीं आएगा। उन्हें खाली इतना पता है कि जो ओवैसी की राजनीति पर सवाल उठाए उसके खिलाफ आरोपों की झड़ी लगाते हुए गाली गलौज शुरू कर दो। हिमाचल में तो मुसलमान था नहीं इसलिए वह ओवैसी की एन्ट्री से बचा रहा। था नहीं का मतलब गिनती योग्य नहीं था। बहुत कम है और उनके बीच जाने से ओवैसी को कोई फायदा नहीं होता। इसलिए ओवैसी ने वहां चुनाव में नहीं दिखे। मगर अब गुजरात में और दिल्ली में वे अपनी पूरी छटा बिखेरेंगे। उनका अधिकतर प्रचार तो न्यूज चैनलों के माध्यम से होता है। चैनलों के एंकर और रिपोर्टर उनके भक्त हैं। क्यों हैं? यह ओवैसी के भक्त नहीं सोचते! दरअसल भक्त किसी के हों वे सोचते ही नहीं हैं। उनके सोचने समझने का एप दिमाग से डिलिट कर दिया जाता है। टीवी चैनल विपक्ष के बाकी किसी नेता को नहीं दिखाते। केवल ओवैसी को ही दिखाते हैं। और ऐसा वैसा नहीं खूब! भरपूर! प्राइम टाइम में! पूरा समय देते हुए। भाजपा की धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए वैसे ही हिन्दु मुसलमान विषयों पर बोलने के लिए।

तो हिमाचल में ओवैसी थे नहीं। आप टूट गई थी। तो वहां सीधा मुकाबला हो गया। और कांग्रेस खूब लड़ गई। नतीजा तो जब दिसंबर में गुजरात के साथ आएगा तब पता चलेगा। मगर वोट डालने के बाद जो एक्जिट पोल हुए और दिखाए नहीं जा सके उनके बारे में कहा जा रहा है कि कांग्रेस अच्छा कर गई। लेकिन गुजरात और दिल्ली में सारे खिलाड़ी मौजूद हैं। ध्यान रहे कि हम विधानसभा चुनावों के साथ दिल्ली नगरनिगम के चुनावों को भी जोड़ रहे हैं। क्योंकि एमसीडी के चुनाव किसी विधानसभा से कम नहीं हैं। यहां भाजपा की सत्ता है। और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल उसे कड़ी चुनौती दे रहे हैं। पिछली बार भाजपा ने यहां की जीत का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया था। इस बार तो वह लड़ेगी ही मोदी के नाम पर। क्योंकि एमसीडी में उसके पास अपना कोई काम बताने के लिए नहीं है। मोदी सरकार ने उसकी मुश्किलें आसान करने के लिए तीनों नगर निगमों का फिर से एक कर दिया है। चुनाव लेट भी किए गए। और अब मदद के लिए ओवैसी को भी बुला लिया गया है। ओवैसी की मजलिस यहां दलित नेता चन्द्रशेखर आजाद के साथ मिलकर लड़ रही है। दिल्ली में करीब 15 प्रतिशत मुसलमान वोट और 16 प्रतिशत दलितों के वोट हैं। दोनों मिलाकर 31 प्रतिशत होते हैं। जो किसी को जिता सकें या नहीं हरा जरूर सकते हैं। दोनों मिलकर 100 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। इनके लड़ने से किसे फायदा होगा यह समझने के लिए कोई बहुत ज्यादा विश्लेषण की जरूरत नहीं है। मीडिया इन्हें कितना महत्व दे रहा है इससे समझा जा सकता है। मीडिया किसी भी ऐसा नेता को जगह नहीं दे सकता जिससे मोदी जी को खतरा हो। और ऐसे हर नेता को खूब चमकाएगा जिससे भाजपा विरोधी वोट बंटें।

आप ओवैसी का खेल देखिए! एक बार नहीं दूसरी बार उन्होंने फिर कहा देश में एक दिन हिजाबी प्रधानमंत्री बनेगी। कहां राजनीतिक नेताओं में सबसे ज्यादा वरिष्ठ नेता और थोड़ा ज्यादा भी बोलने वाले फारूख अब्दुल्ला बहुत पहले शायद 1996 में जब वे 1987 के बाद वापस मुख्यमंत्री बन रहे थे तब बोले थे कि हिन्दुस्तान में कोई मुसलमान प्रधानमंत्री नहीं बन सकता है। कोई बहुत नेगेटिव अंदाज में नहीं बोले थे। बल्कि कश्मीर में मुस्लिम मुख्यमंत्री बनने के किसी संदर्भ में उन्होंने हमें इंटरव्यू देते हुए कहा था कि पाकिस्तान को कश्मीर का जवाब देने के लिए, साथ ही द्वीराष्ट्रवाद के सिद्धांत का जवाब देने के लिए, अन्तरराष्ट्रीय जगत को मैसेज देने के लिए यहां मुस्लिम मुख्यमंत्री एक परंपरा है। इसी रौ में उन्होंने कहा था देश में न जरूरत है और न ही उपयुक्त कि वहां मुसलमान प्रधानमंत्री बने। राष्ट्रपति हुए हैं। मुख्य न्यायधीश हुए हैं। बाकी सभी उच्च पदों पर रहे हैं। प्रधानमंत्री का पद इस बहस में नहीं घसीटा जाना चाहिए। शायद उस समय दिल्ली में भी नरसिंहाराव सरकार चली गई थी और कुछ नए प्रधानमंत्री के लिए बयानों, बहसों का सिलसिला चल रहा था। खैर उसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि हर विवाद में कूद जाने वाले फारुख भी इस संवेदनशील मुद्दे पर बहुत ही गंभीर और संतुलित रवैया दिखा रहे थे। अभी भी उनका शायद यही स्टेंड है। और देश के बाकी उन नेताओं का भी जो मुस्लिम हैं। मगर ओवैसी भावनाएं भड़काने के लिए न केवल मुसलमान की बात कर रहे हैं। बल्कि हिजाब पहनने वाली लड़की के प्रधानमंत्री बनाने की। पहली बार उन्होंने यह बात तब कही थी जब कर्नाटक में हिजाब को लेकर मुद्दा बनाया जा रहा था। और दूसरी बार अभी तब जब ब्रिटेन में भारतीय मूल के ऋषि सुनक प्रधानमंत्री बन रहे थे। मुसलमानों में महिला शिक्षा कैसे बड़े मुख्य मुद्दा यह है। हिजाब के विवाद से लड़कियों की शिक्षा पर विपरित असर न पड़े चिन्ता यह होना चाहिए। न कि यह कि हिजाबी लड़की प्रधानमंत्री बने। यह शिक्षा के मुद्दे को भटकाने से भी आगे जाकर मुसलमानों को धार्मिक ध्रुविकरण की आग में ईंधन की तरह उपयोग करने की बात है। मुसलमान प्रधानमंत्री और वह भी हिजाब वाली लड़की को टीवी ने खूब हवा दी। क्यों? क्योंकि इससे दूसरी तरफ भावनाओं को भड़काने में बहुत मदद मिलती है। सोचिए ऐसे टाइम में जहां नौकरी के लिए टीवी चैनल दिखाता हो आईएएस जिहाद! जहां देश की सरकार में एक भी मुसलमान मंत्री तो छोड़िए कोई सांसद तक न हो। वहां हिजाबी प्रधानमंत्री का शिगूफा छोड़ने का क्या मतलब है? भाजपा हर तरफ से सिर्फ मुसलमानों से जुड़े मुद्दों को उठा रही है। हर राज्य में चुनावी वादा करती है कि समान नागरिक संहिता बनाएगी। जैसे यह कानून बनाने का अधिकार राज्यों को हो! मदरसों को विवाद में लाने के लिए उनके सर्वेक्षण की खबरें, नमाज कहां पढ़ ली इसको लेकर वीडियो, एफआईआर। खुले आम सांसद द्वारा मुसलमानों के बहिष्कार की बातें, यहां तक कि प्रवचन में उर्दू शब्द आने पर आपत्ति। और ऐसे में महा काल्पनिक हिजाबी प्रधानमंत्री की बात! यह भाजपा और आरएसएस के ध्रुवीकरण को और गति देने के अलावा कुछ नहीं हैं। अभी दिल्ली के नगर निगम के चुनाव और गुजरत के विधानसभा चुनावों में भाजपा अपना सबसे ज्यादा आजमाया हुआ हिन्दु मुसलमान कार्ड ही खेलेगी। उसके पास काम दिखाने के लिए कुछ नहीं है। ऐसे में उसे ओवैसी, मायावती, चन्द्रशेखर आजाद और इसी तरह की दूसरी विभाजन में मदद करने वाली शक्तियों की बहुत जरूरत पड़ेगी। समझना जनता को होगा। नहीं समझेगी भुगतेगी। हम जैसे लोग बोलेंगे। गालियां खाएंगे। और अब एक नई विधा आ गई है। प्रधानमंत्री जी ने बताई है कि गालियां खाकर उन्हें न्यूट्रिशन में कैसे बदलना है। तो उसीके मुताबिक गालियां खाने की ताकत बढ़ाई जाएगी। ओवेसी के भक्त चाहें तो चीजों को समझकर अपने नेता पर दबाव बना सकते हैं कि वे भाजपा की मदद करना बंद करें। और नहीं समझना चाहें तो मोदी जी के फार्मूले के मुताबिक हम लोगों को भी गालियों में से पोषक तत्व ढुंढना शुरू करना पड़ेगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

विवियाना मॉल से शुरू हुई एनसीपी की ड्रामेबाजी स्क्रिप्ट अच्छी लिखी थी लेकिन मूवी फ्लॉपः एमआईएम के सैफ पठान

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। कुछ दिन पहले कलवा मुंब्रा के विधायक जितेंद्र अव्हाड द्वारा विवियाना मॉल में हर हर महादेव मूवी पर आपत्ति जताते हुए मूवी को अपने एनसीपी समर्थकों के साथ मिलकर बंद करवा दिया था उनका कहना था मूवी हर-हर महादेव में छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में जो बताया गया है वह सही नहीं है इतिहास कुछ और है और हर हर महादेव मूवी में कुछ और बताया गया है विवियाना मॉल में काफी विवाद हुआ मूवी देखने आए दर्शक के साथ मारपीट की गई उसके बाद मनसे नेता अविनाश जाधव द्वारा मूवी को दोबारा शुरू कराया गया काफी प्रतिक्रिया उन्होंने अपनी दी लेकिन मूवी को अंतिम चरण तक देखा गया और उन्होंने कहा जिसमें दम हो वह आकर मूवी को बंद करा दे मैं अकेला बैठा हूं फिर इस विवाद के बाद वर्तक नगर पुलिस स्टेशन में विधायक जितेंद्र अवार्ड और उनके समर्थक के विरुद्ध में मामला दर्ज किया गया जिसकी जमानत उनको न्यायालय द्वारा दी गई उसके बाद मुंब्रा शहर में वाय जंक्शन मै फ्लाई ओवर ब्रिज के उद्घाटन समारोह के दौरान रिदा रशीद द्वारा 14 नवंबर सोमवार रात को विनयभंग का मामला दर्ज किया गया और उसके बाद एनसीपी के कुछ समर्थक द्वारा शहर में टायर जलाए गए और बाईपास पर सड़क का चक्का जाम कर दिया गया और काफी हंगामा एनसीपी पार्टी द्वारा किया गया इस पूरे मामले में सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एमआईएम के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान ने

कहां जिस तरह ड्रामेबाजी विवियाना मॉल से और विनयभंग तक की जा रही है यह स्क्रिप्ट तो अच्छी लिखी है लेकिन मूवी पूरी तरह से फ्लॉप हो गई उन्होंने एनसी पी पर निशाना साधते हुए कहां 14 नवंबर सोमवार को बाल दिवस के दिन जिस प्रकार एनसीपी के 40 समर्थकों ने हुड़दंग मचाया था रिक्शे बंद किए गए बच्चों की स्कूल की बसों को रोक दिया गया जिस तरह की हरकत की गई उससे यह साबित होता है एनसीपी इस तरह की ड्रामेबाजी करके शहर के अहम मुद्दों पर से जनता का ध्यान हटाकर इस ओर केंद्रित कर रहे हैं जबकि शहर में टोरेंट का सरकारी अस्पताल का बड़े भ्रष्टाचारी मुद्दे हैं उस पर से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही लेकिन जिस प्रकार हमारा मुंब्रा शहर में एनसीपी के कुछ समर्थकों द्वारा उटपटांग मचाया गया कलवा मैं इस तरह की हरकत क्यों नहीं की गई जबकि आमदार जितेंद्र अवार्ड कलवा क्षेत्र के भी है वहां उनका कोई समर्थक सड़कों पर उतर के क्यों नहीं आया कलवा शहर में टायर क्यों नहीं जलाए गए बच्चों की स्कूल की बस क्यों नहीं रोका गया रिक्शे बंद क्यों नहीं कराए गए क्या जितेंद्र अवार्ड सिर्फ मुंब्रा के ही विधायक हैं कलवा के नहीं आखिर जिस तरह के मामला उनके ऊपर दर्ज किए गए हैं उसकी तो जमानत हुई जाती है तो फिर इस तरह की ड्रामेबाजी करके कि मैं राजीनामा दे दूंगा अगर उनको राजीनामा देना ही था तो स्पीकर या गवर्नर को देते यह सब एनसीपी की ड्रामेबाजी है क्योंकि जिस तरह से भिवंडी शहर में टोरेंट आने के बाद भिवंडी शहर से एनसीपी का सफाया हो गया है अब एनसीपी समझ गई है इसीलिए इस तरह की हथकंडे अपनाने रही है ताकि जनता को गुमराह किया जा सके उन्होंने राजन किने के कार्यालय पर जिस प्रकार एनसीपी के समर्थकों ने अपशब्द कहे उसकी भी कड़ी निंदा की और पुलिस प्रशासन से निवेदन किया है जिस तरह से एनसीपी के 40 समर्थक द्वारा शहर में कानून व्यवस्था को खराब करने की कोशिश की गई उस पर पुलिस को गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि कुछ लोगों द्वारा शहर का माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है और उन्होंने कहा अब मैं सरकारी अस्पताल का भ्रष्टाचार उजागर करूंगा जिस तरह से लाइब्रेरी, कचरे, सरकारी स्कूल का भ्रष्टाचार को उजागर किया है उस तरह से सरकारी अस्पताल का भी भ्रष्टाचार उजागर करूंगा फिलहाल में टोरेंट के लिए डोर टू डोर सर्वे अभियान में व्यस्त लेकिन बहुत जल्दी मुंब्रा शहर के साथ किया गया भ्रष्टाचार उजागर करूंगा।

हत्या के बाद किया था लवर को कॉल, रिकॉर्डिंग से सामने आया सच

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। एक महिला को पति की हत्या के तीन महीने बाद गिरफ्तार किया गया है। महिला की गिरफ्तारी उसकी बेटी के खुलासे के बाद हुई कि उसके पिता को उसकी मां ने ही मार डाला है। महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की। उसके साथ की गई बातचीत से जुड़ी कॉल रिकार्डिंग की वजह से वो पकड़ी गई। यह घटना महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के चंद्रपुर जिले की है। महिला के साथ उसके प्रेमी को भी गिरफ्तार किया गया है। विस्तार से खबर यह है कि चंद्रपुर शहर के आंबेडकर चौक में आरोपी महिला रंजना रामटेके की दुकान है। पास में ही मुकेश त्रिवेदी की भी चूड़ियों की दुकान है। आरोपी रंजना ने 6 अगस्त 2022

को अपनी बेटी को बताया कि उसके पिता की हार्ट अटैक से मौत हो गई है। 62 साल के मृतक श्याम रामटेके रिटायर्ड वन कर्मचारी थे। पिता की मौत के बाद बेटी ने नोटिस किया कि उसकी मां के स्वभाव में बदलाव आ रहा है। आरोपी मुकेश त्रिवेदी का भी घर में आना-जाना बढ़ रहा था। समाज में बदनामी होने की बात कह कर बेटी ने मां को और मुकेश त्रिवेदी को समझाने की कोशिश की थी। इसके बाद यह सोच कर कि 50 साल की मां को पिता के जाने के बाद अकेलापन महसूस हो रहा होगा, कहीं और रह रही छोटी बेटी भी महिला के साथ रहने आ गई। इस बीच पिता की मृत्यु से कुछ महीने पहले बेटी ने अपनी मां को एक मोबाइल खरीद कर दिया था। उस मोबाइल को छोटी बेटी यूं ही देख रही थी, तभी उसे एक कॉल रिकॉर्डिंग मिली। उस कॉल रिकॉर्डिंग से ही सारा सच बाहर आया। कॉल रिकॉर्डिंग में साफ हुआ कि 6 अगस्त 2022 को सुबह 2 बजकर 14 मिनट पर आरोपी रंजना ने 10 मिनट तक मुकेश त्रिवेदी को कॉल कर साथ बात की थी। इस कॉल रिकॉर्डिंग में मृतक के हाथ बांधकर उन्हें जहर देने और जोर से मुंह दबाकर हत्या करने का जिक्र हुआ था। इसके बाद मुकेश त्रिवेदी घर की अच्छी तरह सफाई कर सुबह इसे हार्ट अटैक का रूप देने की सलाह दे रहा था। आरोपी महिला की छोटी बेटी ने उस कॉल रिकॉर्डिंग को अपने फोन पर शेयर किया और अपनी बड़ी बहन को यह सच बता दिया। इसके बाद बड़ी बहन ने पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी रंजना रामटेके और मुकेश त्रिवेदी को अरेस्ट कर लिया।आगे की जांच शुरू है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

सऊदी अरब जाने वाले भारतीयों को बड़ी राहत

भारत में सऊदी एंबेसी ने एक ट्वीट के माध्यम से बताया कि सऊदी ने वीजा के लिए पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट की जरूरतों को खत्म कर दिया है। ट्वीट में कहा गया है कि किंग्डम और रिपब्लिक ऑफ इंडिया के बीच बेहतर संबंधों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है। सऊदी के यह नियम तत्काल प्रभाव से लागू होंगे, जिससे एप्लिकेशन प्रोसेसिंग, टूर फर्म्स के लिए सुविधाजनक होगी और पर्यटकों के लिए दस्तावेजों में एक से निजात मिलेगा। सऊदी एंबेसी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि किंग्डम इस बात की सराहना करता है कि सऊदी अरब में दो मिलियन (20 लाख) से ज्यादा भारतीय शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं। यह फैसला तब आया है जब सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) इसी महीने भारत आने वाले थे। हालांकि व्यस्त शेड्यूल की वजह से उनकी यात्रा फिलहाल रद्द कर दी गई है। वह भारत आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले थे, लेकिन उन्हें जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इंडोनेशिया के बाली जाना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 15-16 नवंबर को बाली में थे, जहां जी20 देशों का दो दिवसीय शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। संभावना थी कि पीएम मोदी एमबीएस के साथ द्विपक्षीय वार्ता कर सकते हैं, लेकिन ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि उनकी मुलाकात हुई है। सऊदी क्राउन प्रिंस से सितंबर महीने में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुलाकात की थी, जहां उन्होंने एमबीएस को प्रधानमंत्री की एक चिट्ठी सौंपी थी। पीएम मोदी ने क्राउन प्रिंस को भारत आने का आमंत्रण दिया था। एमबीएस 21 नवंबर को पाकिस्तान दौरे पर भी जाने वाले थे, लेकिन 'सुरक्षा' कारणों से उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर दी थी।

फिर दागदार हुई वर्दी

ठाणे पुलिस फिलहाल दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है, ताकि तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल को गुप्त सूचना मिली थी कि कल्याण में दो ड्रग पेडलर्स अन्य पेडलर्स को चरस सप्लाई कर रहे हैं। इसी के तहत पुलिस टीम ने मंगलवार देर शाम जाल बिछाया और दुगार्दी किले के पास से दोनो को हिरासत में लिया। पुलिस टीम को शुरू में लगा कि वे सामान्य ड्रग पेडलर हैं। लेकिन उनसे पूछताछ करने पर अधिकारी भी हैरान रह गए जब दोनों ने अपनी पहचान पुलिसकर्मी के तौर पर बताई। शुरूआत में दोनों ने सहयोग करने से भी इनकार कर दिया, लेकिन जांच टीम को उन पर गहरा शक था और तलाशी लेने पर उनके पास से 921 ग्राम चरस बरामद हुआ। एंटी नारकोटिक्स सेल ने दोनों आरोपियों को कल्याण सत्र अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें 18 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। एक अधिकारी ने कहा कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी इस मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

महाराष्ट्रः रेप के बाद प्रेमिका ने की आत्महत्या

बीड जिले के आष्टी का रहने वाला बापू नारायण मोकाशी नाम का यह युवक इससे हताश हो गया था। इसलिए उसने छठी मंजिल से छलांग लगा दी।लेकिन सुरक्षा के लिए लगाई गई जाली में वह गिर गया और उसकी जान बच गई। जानकारी मिलते ही वहां मौजूद पुलिस टीम युवक को मेडिकल जांच के लिए ले गई। युवक की एक ही मांग है। उसे अपनी प्रेमिका के लिए इंसाफ चाहिए। वह उसके गुनहगारों को सजा दिलाना चाहता है। लेकिन उसका कहना है कि प्रशासन की ओर से उसकी मांग पर गौर नहीं किया जा रहा है। इसलिए मजबूरन उसने यह कदम उठाया है। बापू नारायण मोकाशी ने चार बार इस बात के लिए मंत्रालय को पत्र दे चुका है। जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे थे तब भी उसने पत्र दिया था। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस वजह से वह बेहद निराश और हताश होकर मंत्रालय की बिल्डिंग की छठी मंजिल पर पहुंच गया और उसने छलांग लगा दी। लेकिन सुरक्षा के लिए लगाई गई जाली में गिर कर उसकी जान बच गई। जिस वक्त यह युवक छठी मंजिल से कूदा उस वक्त मंत्रालय में महाराष्ट्र के मंत्रिमंडल की मीटिंग शुरू थी। यह पहली बार नहीं है कि मंत्रालय के परिसर में किसी ने आत्महत्या की कोशिश की हो। यही वजह है कि यहां सुरक्षा के लिए नेट लगा दिया गया है ताकि कोई छलांग लगाए तो जमीन पर गिरने की बजाए इस नेट पर आ गिरे।

मुंबई में अब चेचक का तांडव?

मंगलवार को बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार को एक साल के एक बच्चे की चेचक से मौत हो गई। नल बाजार में रहने वाले बच्चे का इलाज पिछले हफ्ते से बीएमसी द्वारा संचालित चिंचपोकली स्थित कस्तूरबा हॉस्पिटल में चल रहा था। बीएमसी ने कहा कि शहर में चेचक के संक्रमण की वजह से 7 संदिग्ध मौतें हुई हैं।

● महाराष्ट्र के माननीय महामहिम राज्यपाल को 15 नवंबर 2022 को मुंबई में राज्य युवा संसद के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, जो Nyks और UNICEF द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि यशवंत मानखेडकर DD nyks और प्रकाश कुमार मनुरे SD nyks और तानाजी पाटिल यूनिसेफ और डॉ राजश्री राजशेखरन प्रमुख यूनिसेफ थे।

मालेगांव विस्फोट मामले में एक और गवाह पलटा, अब तक कुल 29 गवाह मुकरे

मुंबई हलचल / संवाददाता

मालेगांव। महाराष्ट्र में वर्ष 2008 में हुए मालेगांव विस्फोट मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत के समक्ष एक पूर्व सैन्यकर्मी मंगलवार को मुकरने वाला 29वां गवाह बन गया। आरोपी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित के पूर्व सहयोगी रहे इस गवाह ने वर्ष 2008 में महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) को बयान दिया था। एटीएस ने शुरूआत में इस मामले की जांच की थी। गवाह ने मंगलवार को पेशी के दौरान विशेष अदालत के समक्ष कहा कि वह पुरोहित को जानता है, लेकिन आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) को कोई बयान देने से

इनकार करने पर उसे मुकरा हुआ घोषित कर दिया गया। एटीएस को दिये गये अपने कथित बयान में गवाह ने कहा कि उसने कहा था कि जब पुरोहित एक खुफिया अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे, तब एक अन्य आरोपी सुधाकर चतुर्वेदी अक्सर आया करता था और वह नासिक के पास देवलाली शिविर में ठहरता था। इस मामले के अन्य आरोपियों में भोपाल से भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर शामिल हैं। मालेगांव में 29 सितंबर,2008 को हुए विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। एक मस्जिद के बाहर मोटरसाइकिल में लगाए गये बम में विस्फोट किया गया था।

मुस्लिम बेदारी कारवां के अध्यक्ष नजरे आलम एमआईएम में हुए शामिल

मुंबई हलचल/मो सालिम आजाद

मधुबनी। ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम आधिकारिक रूप से पटना में ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन के पटना कार्यालय में मजलिस पार्टी में शामिल हो गए हैं. नजरे आलम ने बिहार के प्रदेश अध्यक्ष और अमोर के विधायक अख्तरूल ईमान, मजलिस के अध्यक्ष एडवोकेट आदिल हसन और बिहार प्रदेश महासचिव इंजीनियर आफताब आलम की उपस्थिति में ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन का दामन थामा। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान ने नजरे आलम का उत्साहपूर्वक स्वागत करते

हुए कहा कि अब हमारी पार्टी पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ रही है और हम पूरे बिहार में लोगों को अपनी पार्टी से जोड़ेंगे और गरीब, शोषित और दलित वर्ग की समस्याओं को हल करने का प्रयास करेंगे। सदस्यता लेने के बाद नजरे आलम ने मजलिस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी, अकबरुद्दीन ओवैसी, माजीद हुसैन, अख्तरूल ईमान, इंजीनियर आफताब आलम, आदिल हसन सहित पार्टी के तमाम नेताओं का धन्यवाद किया और कहा कि यह एकमात्र पार्टी है जो अल्पसंख्यक वर्ग के साथ-साथ पिछड़े वर्ग के लिए खुलकर बोलती है और उनके अधिकारों के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मेरी कोशिश रहेगी कि पार्टी के संविधान पर अमल किया जाएगा और मिथिलाँचल के साथ-साथ पूरे बिहार में पार्टी को मजबूत किया जाए।

भारतीय नौजवान इन्कलाब पार्टी के मीडिया प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राठौड़ बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में पत्नी सहित घायल

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भारतीय नौजवान इन्कलाब पार्टी के मीडिया प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक एवं कालियास के पत्रकार भैरु सिंह राठौड़ व उनकी पत्नी प्रेम कंवर राठौड़ बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में गंभीर रुप से घायल हो गए हैं, जिन्हें राहगीर की मदद से घटनास्थल से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कालियास लाया गया जहां अस्पताल में कार्यरत मेल नर्स भैरु सिंह राठौड़ ने प्राथमिक इलाज के उपरांत भीलवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय रेफर कर दिया। जहां 108 के देरी से आने पर निजी वाहन से राठौड़ व उनकी पत्नी को भीलवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय लाकर भर्ती कराया गया हैं। फिलहाल संपादक राठौड़ व उनकी पत्नी प्रेम कंवर की हालत स्थिर बताई जा रही हैं। घटनाक्रम के अनुसार संपादक भैरु सिंह राठौड़

अपनी पत्नी के साथ अपनी बाइक से अपने खेत पर जा रहे थे कि बीच रास्ते में ईनाणी खेड़ा के एक जाट जाति के व्यक्ति ने लापरवाही से गलत साईड में आकर पत्रकार राठौड़ को टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि राठौड़ की बाइक आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। दुर्घटना में पत्रकार राठौड़ के दांए पैर में जबरदस्त चोट लगी है जिससे कि दायां पैर पूरी तरह फैक्चर हो गया है और उनकी पत्नी प्रेम कंवर राठौड़ के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई जिससे कि छह टांके लगाए गए हैं। संपादक राठौड़ व उनकी पत्नी प्रेम कंवर का महात्मा गांधी चिकित्सालय में इलाज चल रहा है। राठौड़ के भीलवाड़ा महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचने पर उनके साढ़ू जगदीश सिंह भाटी (रिटायर्ड राजस्थान पुलिस) भी मौके पर पहुंचकर राठौड़ व उनकी पत्नी प्रेम कंवर की कुशलक्षेम पूछने के लिए लोगों का तांता लगा हुआ है। संपादक राठौड़ ने ईनाणी खेड़ा के जाट के खिलाफ लापरवाही से बाइक चलाकर दुर्घटना करने पर कानूनी कार्रवाई कराने की बात की हैं।

औरंगाबाद हायकर्स ग्रुप के सदस्यों ने महाराष्ट्र के एवरेस्ट कळसुबाई शिखर पर लहराया तिरंगा

औरंगाबाद। महाराष्ट्र के नासिक जिले के इगतपुरी तालुका स्थित माउंट कळसुबाई महाराष्ट्र के शिखर शृंखलामे सबसे ऊची चोटी है है। इसे महाराष्ट्र का एवरेस्ट भी कहा जाता है। इस शिखर की उचाई समुद्र तल (1664 मीटर) याने 5400 फिट है। जिसके आचल मे बसे खूबसूरत निसर्गरम्य बारी गाव से इस ट्रेक अभियान की सुरुवात होती है, प्राकृतिक वातावरण जैसे झरने, जंगल, घास के मैदान और ऐतिहासिक किलो का एक लुभावणी संयोजन प्रदान करता है। शिखर की छोटी पर कळसुबाई का सुंदर मंदिर है। यह ट्रेक बहुत ही चुनौती पूर्व है, स्पष्ट दिन पर यह शिखर से आपको आसपास के अन्य किले जैसे हरिश्चंद्रगड, हरिहर गड, रतनगड, सांदण व्हॅली, साम्राद गाव इन लुभावणे, निसर्गरम्य आकर्षण दृश्य भी देखने मिळते है। कही अनुभवी ट्रेकर्स इन ट्रेक को अतिरिक्त रोमान्स के लिये जोडते है, सूर्योदय के

शानदार दृश्य के लिए यहा ट्रेकर्स काफी मात्रा में आते है। औरंगाबाद हायकर्स ग्रुप के सदस्योनो सुबह के घने अंधेरे में बॅटरी के उजाले मे सुबह 4 बजे शिखर के बेस्ट कॅम्प बारी गाव से इस चढाई अभियान को प्रारंभ किया, और घने अंधेरी रात मे साथ घने जंगल से जैसे कही सुनसान रास्ता पार करते हुए सुबह 8:15 मिनिट पर इस कळसुबाई शिखर पर तिरंगा लहराया। इस कळसुबाई शिखर अभियान औरंगाबाद हायकर्स समूह के प्रमुख रतन राऊत के प्रमुख मार्गदर्शन मे साहिल सिंग राजपूत ने इस अभियान का नेतृत्व किया। इस अभियान मे रतन राऊत के साथ साहिल सिंग राजपूत, ज्योती सिंग राजपूत डॉ. बेबी सिंग, मंगल राऊत, दादासाहेब पानमंद, दिलीप भंगाळे, जयश्री भंगाळे, संजना भंगाळे, प्रमोद शेळके, राजेंद्र नारळे, प्रतिभा नारळे, अनुष्का नारळे, अनिकेत नारळे, विजय आवटी, अविनाश आडसकर, प्रवीण बोडखे, साधना बोडखे, सोहम बोडखे, सई बोडखे, किरण वनगुजर, सुवर्णा वनगुजर, जयश्री कोळ्पकर, तनिष्क कोळ्कर, आदी गियारोहक शामिल हुए थे।

फॉरएवर प्रीटी प्रेजेंट्स 'नबी मुंबई कैलेंडर गर्ल सीजन 3' इस कार्यक्रम का कैलेंडर फोटो शूट सानपाड़ा के योगी एगज़िक्युटिव होटल में संपन्न हुआ

नबी मुंबई। 'फॉरएवर प्रीटी' (वेस्टर्न क्लोथिंग ब्रैण्ड) प्रेजेंट्स नवी मुंबई कैलेंडर गर्ल सीजन 3 का कैलेंडर शूट सानपाड़ा के योगी एगज़िक्युटिव होटल में सम्पन्न हुआ। इसका आयोजन शहर की प्रसिध्द डिजाइनर नीता शर्मा और उनके पति संदीप शर्मा नें किया। इस कलेंडर शूट में पूरे महाराष्ट्र से 14 मॉडल्स नें भाग लिया और परफॉर्म भी किया। सभी मॉडल्स ने फॉरएवर प्रीटी के डिजाइनर आउटफिट्स में फोटो शूट किया जिसका नये साल २०२३ का कैलेंडर जल्द ही लॉच किया जायेगा।

गुजरात चुनाव में शामिल नहीं होंगे शशि थरुर, कांग्रेस ने जारी की स्टार प्रचारकों की लिस्ट

अहमदाबाद। गुजरात में विधानसभा चुनाव के बीच कांग्रेस ने मंगलवार को अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी। इस लिस्ट में सोनिया, राहुल, प्रियंका समेत पार्टी के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी जगह दी गई है लेकिन इस लिस्ट में कई वरिष्ठ नेताओं के नाम नहीं हैं जिनको लेकर चर्चा तेज हो गई है। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने वाले पार्टी सांसद शशि थरूर का नाम इस लिस्ट से गायब है। वहीं आनंद शर्मा, मनीष तिवारी और रणदीप सिंह सुरजेवाला के नाम भी लिस्ट में नहीं हैं। बता दें कि शर्मा, थरूर और तिवारी तीनों ही कांग्रेस के जी-23 ग्रुप के सदस्य रहे हैं। इस ग्रुप के सदस्यों ने 2020 में एक खत लिखकर पार्टी में बदलाव की मांग की थी। बता दें थरूर ने गांधी परिवार के करीबी कैंडिडेट मल्लिकार्जुन खड़गे के सामने अध्यक्ष पद का चुनाव भी लड़ा था जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था और अब थरुर को गुजरात चुनाव से बाहर कर दिया गया है थरुर कांग्रेस के जानेमाने नेता है लेकिन अब उन्हें धीरे धीरे दर किनार किया जा रहा है।

गुरुदीन वर्मा देवशील मेमोरियल संस्था के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नियुक्त किए गए

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान शिक्षक एवं साहित्यकार गुरुदीन वर्मा को देवशील मेमोरियल संस्था का राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। संस्था की संस्थापिका रश्मि अभय ने मीडिया को कहा कि वर्मा की संस्था के मीडिया प्रभारी के रूप में नियुक्ति से यह संस्था अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेगी। शिक्षक वर्मा की देवशील मेमोरियल के मीडिया प्रभारी के रूप में नियुक्ति पर वर्मा के शिक्षक साथियों और विभिन्न साहित्यकारों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। ज्ञात हो वर्मा वर्तमान में राजस्थान के सिरोही जिले में शिक्षक के रूप में कार्यरत है जो राजस्थान के बारां जिले के मूलनिवासी है।

आधी अधुरी आजादी को हम हरगिज ले सकते नहीं, सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं: आजाद खेम सिंह फौजदार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। देश में इन दोगले और भ्रष्ट राजनेताओं के बलबूते आैर आश्वासनों से हम आधी अधुरी आजादी नहीं ले सकते हैं, इसके लिए भारतीय नौजवान इन्कलाब पार्टी के क्रांतिकारी पीछे नहीं हटेंगे। इसके लिए हमें अपना सर कटाना पड़े तो भी हम पीछे नहीं हटेंगे। यह कहना हैं भारतीय नौजवान इन्कलाब पार्टी के संस्थापक आजाद खेम सिंह फौजदार का। उन्होंने अपने क्रांतिकारी विचार राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ से साझा करते हुए कहा कि भारतीय नौजवान इन्कलाब पार्टी ने देश में व्यवस्था परिवर्तन के लिए ठाना है इससे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि आधी अधुरी आजादी और क्रांतिकारियों के बारे में आधी अधुरी जानकारी किसी भी कीमत पर मंजूर नहीं है। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर तगड़ा प्रहार करते हुए कहा कि इन राजनीतिक दलों ने सिर्फ देश को

लूटने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई सता लालच के लिए नहीं बल्कि भूख, भ्रष्टाचार और भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ हैं जो अनवरत जारी रहेगी। उन्होंने सभी राजनीतिक पार्टियों को एक ही तराजू में तौलते हुए कहा कि सभी पार्टियों के भ्रष्ट राजनेता भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। उन्होंने चैलेंज किया कि आज दिन तक किसी भी भ्रष्टचारी राजनेता को सजा हुई तो बता दें। वो एनकेन प्रकारेण सता के प्रभाव में छूट जाते हैं या अभी बेल पर चल रहे हैं। उन्होंने देश की जनता से भारतीय नौजवान इन्कलाब पार्टी से जुड़ने का आह्वान किया हैं। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द पार्टी से जुड़ने के लिए हर प्रदेश की पार्टी हेल्प लाइन नंबर जारी किए जाएंगे ताकि पूरे देश में अच्छे और सच्चे लोगों को पार्टी से जोड़ा जा सके। उन्होंने अधिक से अधिक भारतीय नौजवान इन्कलाब पार्टी से जुड़ने का आह्वान किया हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्टे की आड़ में कुरेश नगर कुर्ला (पु.) में अवैध नवनिर्माण को बढ़ावा

भूमाफिया इब्राहिम कुरेशी का अवैध नवनिर्माण जोरों पर

सहायक आयुक्त महादेव शिंदे एल/विभाग मनपा कार्यालय

सहायक अभियंता किरण कुमार अन्नमवार एल/विभाग मनपा

अशोक जाधव कनिष्ठ अभियंता एल/विभाग मनपा

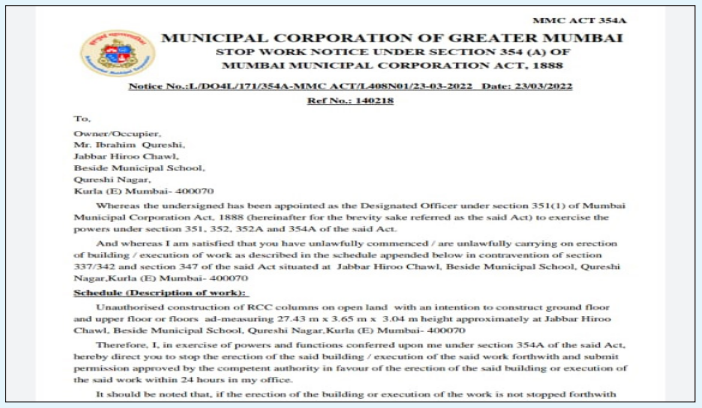

MMC ACT 354A

MUNICIPAL CORPORATION OF GREATER MUMBAI
STOP WORK NOTICE UNDER SECTION 354 (A) OF
MUMBAI MUNICIPAL CORPORATION ACT, 1888

Notice No.:L/DO4L/171/354A-MMC ACT/L408N01/23-03-2022 Date: 23/03/2022
Ref No.: 140218

To,
Owner/Occupier,
Mr. Ibrahim Qureshi,
Jabbar Hiroo Chawl,
Beside Municipal School,
Qureshi Nagar,
Kurla (E) Mumbai- 400070

Whereas the undersigned has been appointed as the Designated Officer under section 351(1) of Mumbai Municipal Corporation Act, 1888 (hereinafter for the brevity sake referred as the said Act) to exercise the powers under section 351, 352, 352A and 354A of the said Act.

And whereas I am satisfied that you have unlawfully commenced / are unlawfully carrying on erection of building / execution of work as described in the schedule appended below in contravention of section 337/342 and section 347 of the said Act situated at Jabbar Hiroo Chawl, Beside Municipal School, Qureshi Nagar,Kurla (E) Mumbai- 400070

Schedule (Description of work):

Unauthorised construction of RCC columns on open land with an intention to construct ground floor and upper floor or floors ad-measuring 27.43 m x 3.65 m x 3.04 m height approximately at Jabbar Hiroo Chawl, Beside Municipal School, Qureshi Nagar,Kurla (E) Mumbai- 400070

Therefore, I, in exercise of powers and functions conferred upon me under section 354A of the said Act, hereby direct you to stop the erection of the said building / execution of the said work forthwith and submit permission approved by the competent authority in favour of the erection of the said building or execution of the said work within 24 hours in my office.

It should be noted that, if the erection of the building or execution of the work is not stopped forthwith

मुंबई हलचल/अजय उपाध्याय

मुंबई। कुर्ला एल/विभाग मनपा प्रभाग क्र.171 कुरैश नगर कुर्ला (पूर्व) मनपा के कनिष्ठ अभियंता अशोक जाधव व सहायक अभियंता किरण कुमार अन्नमवार की मिलीभगत से कुरेश नगर में अवैध नवनिर्माण को जमकर बढ़ावा दिया जा रहा है भूमाफिया इब्राहिम कुरेशी बड़े पैमाने सात मंजिला अवैध इमारत के बांधकाम अंजाम दे रहा है सहायक आयुक्त महादेव शिंदे को आने के बाद लोगो को लग रहा था कि अवैध बांधकाम पर अंकुश लगेगा मगर अनेको धड़ल्ले से बांधकाम शुरू है बीएमसी स्कूल के पास जब्बार हीरू चाल हाजी करामात अली रोड कुरैश नगर कुर्ला (पु.) में भुमाफिया इब्राहिम कुरेशी द्वारा सात मंजिला अवैध इमारत तैयार कर लिया गया है। अवैध नवनिमाणी को बढ़ावा देने का सिर्फ अंदाज अब बदल गया है अधिकारियों की सेटिंग के चलते शुरूआत में भूमाफिया कुछ अवैध निर्माण का टेम्परेरी स्टे उसकी आड़ में अपना मकसद पूरा करते हुए सैकड़ो इमारत बनाकर बेच देते है कुर्ला के स्थानिक सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल गफ्फार सूबेदार का कहना है कि शिकायतकर्ता की शिकायत के बाद वार्ड अधिकारी द्वारा स्टे सबको बताया जाता है और इसी स्टे के आड़ में सैकड़ो अवैध इमारत बनाये जाते है इस अवैध बांधकाम की शिकायत दिनांक 27 सेप्टेंबर 2022 को की है मगर अभी तक कोई भी कार्रवाई हुई नही है। कुरैश नगर में रात दिन अवैध तरीके से अवैध नवनिर्माण का कार्य जोरो से चल रहा है मगर उक्त अवैध निर्माण कनिष्ठ अभियंता अशोक जाधव को दिखाई नही दे रहा है क्या आखिर कार्रवाई क्यो नही।

कानपुर में सपा विधायक और उनके भाई फरार घोषित

- वारंट हासिल कर पुलिस कर रही कुर्की की तैयारी
- गत सप्ताह विधायक के बचाव में समाजवादी पार्टी ने भेजा था 10 विधायकों का प्रतिनिधिमंडल

मुंबई हलचल/
सुनील बाजपेई

कानपुर। जमीन पर कब्जा करने की नियत से गरीब की झोपड़ी जलाने के आरोप में जाजमऊ स्थित डिफेंस कालोनी में केडीए के प्लॉट के स्वामित्व विवाद में महिला द्वारा दर्ज कराए आगजनी, बलवा और धमकी देने के मुकदमे में आरोपित सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। उन्हें फरार घोषित कर दिया गया है जिसके बाद उनकी पहले से उनकी तलाश तेज कर दी गई है। इसके लिए गठित की गई टीमें उनके संभावित ठिकानों पर लगातार छापे भी मार रही हैं। मामले में पुलिस ने सोलंकी भाइयों के खिलाफ अदालत से गैर जमानती वारंट हासिल किया है। जिसके आधार पर फरार होने की दशा में उनकी कुर्की भी किए जाने की तैयारी चल रही है। उधर फरार चल रहे समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी के बचाव में अब समाजवादी पार्टी भी

मैदान में उतरी हुई है। उसने इसके लिए विधायक सोलंकी के घर में बीते शनिवार को 10 विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल भी भेजा गया था, जिसने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आतिशबाजी से आग लगने का दावा किया है। इस दौरान विधायक पर लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए पहुंचे प्रतिनिधिमंडल को विधायक की पत्नी नसीम सोलंकी ने बताया कि आधी रात के बाद जब पुलिस वालों ने उनके घर पर दबिश दी थी तो विधायक इरफान सोलंकी को तलाशने में उनके साथ भी अभद्रता की है। फिलहाल गैर जमानती वारंट जारी होने अपराध किए जाने के फलस्वरूप पुलिस की टीम में उनकी तलाश लगातार कर रही है लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस मामले में वारंट हासिल करने के बाद फरार चल रहे समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी के घर की कुर्की भी की जाने की तैयारी की जा रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नाइटमेयर डिसऑर्डरः डराके गया सपना...!

कभी-कभार आने वाले डरावने सपने सामान्य बात हैं, मगर यदि यह नियमित सिलसिला बन जाए, तो इसे विकार माना जाता है, जिसका उपचार जरूरी है।

सपने सब देखते हैं, भले ही कुछ लोगों को जागने पर ये याद न रहते हों। नींद की अवस्था में हमारा मस्तिष्क जो वैकल्पिक यथार्थ या काल्पनिक फिल्म रचकर प्रदर्शित कर देता है, उसी को हम सपना कहते हैं। मसाला फिल्मों की ही तरह हमारे सपनों में एक्शन, इमोशन, रोमांस, कॉमेडी आदि सारे तत्व मौजूद रहते हैं- कुछ कम, तो कुछ ज्यादा। कभी-कभी ये सपने हॉरर फिल्म के रूप में भी सामने आते हैं। इन्हें हम डरावना सपना, बुरा सपना, नाइटमेयर या दुःस्वप्न कहते हैं। बच्चों को डरावने सपने आना आम बात है, जिसके कारण वे रोते हुए जाग जाते हैं। मगर ऐसा नहीं है कि वयस्कों को डरावने या बुरे सपने नहीं आते। यदा-कदा ऐसे सपने हर किसी को आते हैं। डर के मारे आपकी नींद टूट जाती है, आप हड़बड़ाकर उठ बैठते हैं, धड़कन व सांस तेज चलती हुई महसूस होती है। फिर, आपको एहसास होता है कि यह तो महज एक सपना था...। तब धीरे-धीरे आप सामान्य होने लगते हैं। मगर जब यह एक नियमित सिलसिला बन जाए, बार-बार डरावने सपने के कारण आपकी नींद टूट जाए, इन सपनों के खौफ के कारण आप सोने से ही कतराने लगें, तो इसे मानसिक विकार माना जाता है, जिसे उपचार की जरूरत होती है। इसे नाइटमेयर डिसऑर्डर या पैरासोम्निया कहते हैं।

नाइटमेयर डिसऑर्डर के कारण

इस डिसऑर्डर के कई कारण हो सकते हैं। एक प्रमुख कारण तो जीवन में हुई कोई त्रासद घटना ही हो सकती है। किसी वजह से यदि आप लगातार तनाव या डिप्रेशन में हैं या फिर व्यग्र हैं, तो भी आपको नियमित रूप से बुरे सपने आ सकते हैं। शराब या ड्रग्स का सेवन भी दुःस्वप्नों का कारण बन सकता है, वहीं इनकी लत छुड़ाने की प्रक्रिया के दौरान भी ऐसे सपने आ सकते हैं। इसी प्रकार किन्हीं दवाइयों के सेवन से या फिर इनका सेवन अचानक बंद कर देने से भी नाइटमेयर डिसऑर्डर की स्थिति बन सकती है। स्लीप एप्निया (नींद के दौरान सांस लेने में परेशानी से जुड़ी समस्या) से ग्रस्त लोग भी नियमित रूप से डरावने सपनों के शिकार हो सकते हैं। कई बार लगातार पर्याप्त नींद से वंचित रहने वाला व्यक्ति जब सोता है, तो ऐसे सपनों का शिकार हो जाता है। इसके अलावा नियमित रूप से डरावनी फिल्में देखने या डरावनी कहानी-उपन्यास पढ़ने वाले लोगों को भी ऐसे सपने आ सकते हैं। सोने से ठीक पहले भारी भोजन करना भी इसका कारण बन सकता है।

पहचान और उपचार

यदि सप्ताह में एक से अधिक बार डरावने सपने आएं, यह सिलसिला लगातार बना रहे और इसके कारण आपकी नींद बार-बार बाधित हो तथा दोबारा नींद आना मुश्किल हो जाए, तो आपको डॉक्टर को दिखाना चाहिए। डॉक्टर पॉलीसोम्नोग्राफी नामक टेस्ट कराने को कह सकते हैं, जिसमें नींद के दौरान हृदय गति, मस्तिष्क तरंगों, ऑक्सीजन के स्तर, सांसों तथा आंखों व टांगों की हरकतों को रेकॉर्ड करने के लिए शरीर के विभिन्ना हिस्सों में सेंसर लगाए जाते हैं। इस टेस्ट के परिणाम के आधार पर डॉक्टर उपचार तय कर सकते हैं। यदि डरावने सपनों का कारण तनाव या डिप्रेशन है, तो उसका उपचार किया जाता है। यदि किसी दवाई के साइड इफेक्ट के कारण ऐसा हो रहा है, तो डॉक्टर वैकल्पिक दवाई बता सकते हैं। नशीले पदार्थ यदि कारण है, तो उनका सेवन बंद करने से दुःस्वप्नों की समस्या भी दूर हो सकती है।

लो ब्लड प्रेशर सतर्कता से करें नियंत्रित

मन और शरीर में चलने वाली उथल-पुथल का असर स्वास्थ्य पर पड़ना बहुत स्वाभाविक है। लो ब्लड प्रेशर के पीछे भी इसी तरह के कारण हो सकते हैं। ऐसे में लाइफस्टाइल और खानपान में सुधार तथा अन्य तरह से सतर्कता रखकर बहुत हद तक इस समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

लक्षणों को लेकर रहें सतर्क

लो ब्लड प्रेशर के ऐसे केसेस जहां लक्षण नहीं होते, सामान्य तौर पर कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। लेकिन इसके लक्षणों का उभरना सतर्क हो जाने का इशारा हो सकता है। लक्षणों में मुख्य रूप से शामिल हैं:

- चक्कर आना या सिर घूमना
- चक्कर खाकर गिर जाना
- एकाग्रता में कमी होना
- धुंधला दिखाई देना, नौशिया
- त्वचा का ठंडा पड़ जाना
- त्वचा का चिपचिपा या पीला पड़ जाना
- सांस का असामान्य होना
- थकान लगना आदि।

ऐसे उपजती है तकलीफ

ब्लड प्रेशर का लो होना या हाइपोटेंशन की तकलीफ का मतलब है रक्त के दबाव का 90/60 से भी कम होना। यूं सामान्य तौर पर थोड़ा-बहुत या बिना लक्षणों के ब्लड प्रेशर का लो हो जाना कोई समस्या पैदा नहीं करता लेकिन यदि इसके लक्षण स्पष्ट नजर आने लगें और बार-बार यह तकलीफ उभरने लगे, तो यह किसी अंदरूनी समस्या की ओर इशारा हो सकता है।

जैसे- मस्तिष्क, हृदय तथा अन्य प्रमुख अंगों तक रक्त के प्रवाह का अपर्याप्त होना। खासकर उम्र के बढ़ने पर इस तरह की समस्याओं के उपजने का खतरा और बढ़ सकता है। कई बार बहुत देर तक बैठे या लेटे रहकर उठने पर या लंबे समय तक खड़े रहने पर भी ब्लड प्रेशर लो हो सकता है। इसे पोस्चरल हाइपोटेंशन कहा जाता है। कई सारी अन्य ऐसी स्थितियां हैं, जो लो ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती हैं। इनमें गर्भावस्था, हार्मोनल समस्याएं जैसे थाइरॉइड या डायबिटीज आदि, कुछ विशेष औषधियां, अल्कोहल का अधिक सेवन, हृदय संबंधी अनियमितताएं, रक्त वाहिकाओं का चौड़ा होना या फैलना और लिवर डिसीज आदि शामिल हैं। वहीं दुर्घटना, बीमारी या किसी अन्य कारण से ब्लड प्रेशर का एकदम से बहुत लो हो जाना खतरे का संकेत भी हो सकता है।

डाइट में चुनें सही विकल्प

भोजन और जीवनशैली में परिवर्तन, इस समस्या के संदर्भ में बड़ी राहत दे सकता है। कुछ इस तरह उपाय अपनाएं:

- पानी भरपूर मात्रा में पीएं। इससे रक्त की मात्रा में वृद्धि होती है तथा डिहाइड्रेशन से लड़ने में मदद मिलती है
- लंबे समय तक खड़े रहने या बैठने के बाद उठने पर यदि आपको समस्या होती है, तो उठने की गति को नियंत्रित करें। सुबह सोकर उठते समय तेजी से उठने की जगह पहले लेटे-लेटे कुछ गहरी सांसें लीजिए, फिर धीरे से बैठिए और फिर खड़े होइए। सोते समय सिर को थोडा ऊंचा रखना भी काफी मदद करेगा
- अपने डॉक्टर के मार्गदर्शन से व्यायाम को नियमित रूप से अपनाइए
- भोजन को छोटे-छोटे कई टुकड़ों में बांटकर खाइए
- आलू, चावल, पास्ता, नूडल्स और ब्रैड जैसे हाई काबोर्हाइड्रेट फूड का सेवन कम से कम करें
- अल्कोहल का सेवन बंद करने की कोशिश करें
- चाय या कॉफी का सेवन लाभ दे सकता है लेकिन इसकी मात्रा को लेकर डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें
- व्हाइट चौला फली, सादा दही, कीवी फ्रूट, आड़ू, केला, लाल शिमला मिर्च, ब्रोकली, शकरकंद, क्विनोआ, एवोकाडो आदि इस समस्या के लिए सुपरफूड हो सकते हैं।

भोजन की गंध से जी मितलाए?

गर्भावस्था के शुरूआती महीनों में जी मिचलाना और मितली आना, खासकर सुबह-सुबह, एक सामान्य लक्षण है। इसे मॉर्निंग सिकनेस कहा जाता है। इससे समायोजन करने के लिए तरह-तरह के उपाय भी बताए जाते हैं, जैसे सुबह उठते ही बिस्किट जैसा कुछ थोड़ा-सा खा लेना। दिन भर में किसी भी वक्त भारी भोजन करने के बजाए, थोड़ी-थोड़ी देर में, थोड़ा-थोड़ा खाना वगैरह। इस असुविधा को स्त्रियां आराम से निभा ले जाती हैं।

लेकिन हममें से कइयों ने सुना होगा कि फलां बुआ तो गर्भावस्था में पानी तक नहीं पी पाती थीं, उसे भी पहले घूंट में ही उगल देती थीं या फलां दीदी को तो भोजन की सुगंध से ही मितली आती थी। दरअसल कुछ स्त्रियों की तकलीफ मॉर्निंग सिकनेस से काफी गंभीर होती है। मॉर्निंग सिकनेस की तरह सामान्य उपायों से कम भी नहीं होती। गर्भावस्था में मितली और जी मितलाने के इन गंभीर लक्षणों को हाइपरेमेसिस ग्रेविडेरम कहा जाता है। अक्सर परिवार के लोग समझ नहीं पाते कि यह मॉर्निंग सिकनेस से अलग है, अतः हाइपरेमेसिस की शिकार स्त्रियां घर वालों के तानों की भी शिकार होती हैं मसलन, 'इन्हें तो अनोखा ही होने वाला है, 'अरे हमें भी तो बच्चे हुए थे, हमारा भी जी घबराता था मगर हमने ऐसे नाटक कभी नहीं किए कि रसोई में घुसने से ही इनकार करें वगैरह।

दरअसल इस समस्या की शिकार गर्भवतियों को तानों की नहीं सहानुभूति, प्यार और देखभाल की जरूरत होती है ताकि वे अपनी तकलीफ हंसते-हंसते सह जाएं। इन्हें बराबर अपने चिकित्सक के भी संपर्क में रहना चाहिए ताकि सुरक्षित समझने पर डॉक्टर इन्हें कोई दवा भी दे सके। गर्भवती, उसके पति और परिवार सभी के लिए जरूरी है कि वे गर्भावस्था के वैज्ञानिक पहलुओं को समझें और तदनुसार गर्भवती महिला की देखभाल करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भयानक बीमारी से जूझ रही है फातिमा सना शेख

दंगल गर्ल फातिमा सना शेख एक गंभीर बीमारी से जूझ रही है, जिसका खुलासा एक्ट्रेस ने हाल ही में किया है। आपको बता दे दुनिया के सामने अपनी तकलीफ बताना आसान नहीं होता। वही जब एक सेलिब्रिटी अपनी बीमारी के बारे में खुलकर बोलता है तो उसका असर कही न कही उसके करियर पर भी पड़ सकता है। वही जब बीमारी ऐसी हो जिसे आपके आस- पास के लोग एक टैबू मानते हो तो उसे रिवील करना बड़ी हिम्मत का काम है। अब ये काम फातिमा सना शेख ने किया है, जिससे अब उनके लाखो फैंस इंस्पायर हो सकते है। आपको बता दे खुद एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी कि उन्हें मिर्गी की बीमारी है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों के बीच इसे लेकर जागरुकता बढ़ाने के लिए, इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ मिर्गी को लेकर सवाल और जवाब का सेशन भी किया। इस दौरान उन्होंने फैंस के सभी जरूरी सवालो के जवाब भी दिए। आपको बता दे, फातिमा ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्हें पहली बार मिर्गी के बारे में फिल्म 'दंगल' के सेट पर पता चला था। दरअसल, फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें दौरा आया और फिर जब उनकी आंखे खुली तो वो अस्पताल में थी। फातिमा ने कहा, पहले 5 साल मैं इसे नजरअंदाज करती रही, लेकिन अब मैंने इसके साथ रहना सीख लिया है। लेकिन अब मुझे इससे सावधान रहना होगा। एक्ट्रेस ने बताया कि जबसे उन्हें इसका पता चला है, वो किसी डायरेक्टर से इसके बारे में छिपाती नहीं हैं।

विवादों में फंसी सुनील शेट्टी- अनुराग कश्यप की फिल्म

सुनील शेट्टी और अनुराग कश्यप स्टारर फिल्म 'फाइल नंबर 323' विवादों में फंसती नजर आ रही है। दरअसल कार्तिक के जल्द ही भारतीय भगोड़ों को लेकर एक फिल्म बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म की कहानी विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसे दिग्गज बिजनेसमैन्स द्वारा किए गए रियल लाइफ स्कैम्स पर आधारित होगी। अब बिजनसमैन मेहुल चोकसी ने इस फिल्म को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने मेकर्स के खिलाफ नोटिस जारी कर माफी मांगने की डिमांड की है। मेहुल चोकसी ने इस नोटिस के जरिए कहा कि 'फाइल नंबर 323' के जरिए उनकी इमेज को गलत तरीके से दिखाने की कोशिश की गई है। उन्होंने फिल्म के प्रोड्यूसर्स कलोल दास, पार्थ रावल, डायरेक्टर कार्तिक के और फिल्म मेकिंग में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ भी नोटिस जारी किया है। साथ ही उन्होंने फिल्म की मेकिंग को रोकने की गुजारिश भी की है। मेकर्स का भी कहना है कि वो इस नोटिस का जल्द ही कानूनी जवाब देंगे। साथ ही उन्होंने दावा किया है कि ये फिल्म किसी की बायोपिक नहीं है। उन्होंने कहा वो उन लोगों के बारे में कहानी बताने जा रहे हैं, जो इंडिया में आम लोगों के खिलाफ आर्थिक अपराधों में शामिल हैं। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वो सिर्फ पब्लिक डोमेन में मौजूद जानकारियों पर फिल्म बना रहे हैं।

हंसिका मोटवानी की वेडिंग डिटेल्स पर आया अपडेट

एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली है। हाल ही में एक्ट्रेस अपने होने वाली पति के साथ कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर इस खबर को कन्फर्म किया था। जिसके बाद से एक्ट्रेस शादी की खबरों की वजह से सुर्खियों में बनी हुई है। वही, धीरे- धीरे हंसिका मोटवानी की शादी की डिटेल्स भी सामने आ रही है। खबरों की माने तो, दिसंबर में एक्ट्रेस साथ फेरे लेंगी। लेकिन उनकी शादी को लेकर अभी से बज्ज बना हुआ है। फैंस एक्ट्रेस के स्पेशल डे की छोटी से छोटी डिटेल्स जानना चाहते है। वही आपको बता दे, अब तक इस बात का खुलासा हुआ है कि हंसिका मोटवानी मुंबई से दूर जयपुर में डेस्टिनेशन वेडिंग करने वाली है। वेडिंग वेन्यू के लिए उन्होंने जयपुर के 450 साल पुराने 'मुंडोता फोर्ट एंड पैलेस' को चुना है। लेकिन अब उनके प्री- वेडिंग फंक्शन्स को लेकर भी नए- नए अपडेट्स सामने आ रहे है। खबरों की माने तो, शादी से पहले एक्ट्रेस के घर पर एक खास पूजा होगी। दरअसल, हंसिका की शादी की शुरूआत माता की चौकी से होगी। बता दे, ये पूजा अगले हफ्ते एक्ट्रेस के मुंबई वाले घर में होगी।